

## तेलंगाना के नलगोंडा में चमगादड़ों के लिये काली रात

### चर्चा में क्यों?

येरूकाला आदवासियों द्वारा परंपरागत रूप से चमगादड़ों का शिकार किया जाता है, लेकिन अब चमगादड़ों की मांग जादू-टोने और वश्यास-चिकित्सा आदि के चलते बढ़ती जा रही है।

### प्रमुख बदि

- तेलंगाना में येरूकाला समुदाय के पुरुष चमगादड़ों का शिकार करते हैं। येरूकाला समुदाय जो अनुसूचित जनजातियों के अंतर्गत आते हैं, के कुछ सदस्य परंपरागत रूप से चमगादड़ के मांस को स्थानीय भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं।
- येरूकाला जनजात के अनुसार, बकरियों और मुरगों का मांस महंगा होता है लेकिन उनकी तुलना में चमगादड़ का मांस निःशुल्क होता है और फलों के पराग से पोषित होने के कारण प्राकृतिक रूप में स्वादषिटता से भरपूर होता है।
- मुरगे की तरह चमगादड़ को भूना, भरा, तला या पकाया जाता है और चावल के साथ खाया जाता है। इसे पकाने के दौरान एकमात्र समस्या यह उत्पन्न होती है किये एक तीक्ष्ण गंध उत्पन्न करते हैं जो मूत्र के समान होती है।
- आमतौर पर एक परिवार के लिये चार चमगादड़ पकड़े जाते हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 1 किलोग्राम होता है। हाल के दिनों में येरूकाला आदवासियों द्वारा थोड़े से धन के लिये गैर-आदवासी ग्राहकों की चमगादड़ों की मांग को पूरा किया जाता है।
- इनके ग्राहक वर्ग में प्राकृतिक चिकित्सक, जादू-टोना करने वाले, कुछ वैद्य और अधिकारी तथा कुछ "शोध उद्देश्यों" का हवाला देने वाले लोग शामिल होते हैं।

### मथिकों में वश्यास

- कुछ खरीदारों का मानना है कि चमगादड़ का मांस श्वसन और संधि रोगों का इलाज करने में मदद करता है। अन्य लोग यह मथिक मानते हैं कि इसकी वसा एक कामोत्तेजक औषधि है।
- येरूकाला द्वारा जीवन नरिवाह हेतु किया जाने वाला चमगादड़ों का शिकार नगण्य है। आवासों का वनिाश, फलदायक वृक्षों को काटना और वन भूमिका एसईजेड के रूप में संरक्षण किया जाना आदि चमगादड़ों की समाप्ति के प्रमुख कारण हैं।
- बगीचे में कीटनाशकों का उपयोग भी चमगादड़ों के लिये एक प्रमुख खतरा है जिस पर चमगादड़ भोजन के लिये नरिभर हैं।
- यद्यपि चमगादड़ की कई प्रजातियाँ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत सूचीबद्ध हैं, लेकिन फ्रूट्स बैट्स वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची-V में नाशक जीव के रूप में सूचीबद्ध है।
- चमगादड़ जीवविज्ञानी कहते हैं कि फ्रूट्स बैट्स कीट नियंत्रण में मदद करते हैं और परागण तथा बीज के फैलाव में सहायक हैं।